उन्नति का आधार

हमारा प्यारा बाल संस्कार

क्या आप ऐसा चाहेंगे...

✱ आपके बच्चे आपका आदर करें ?

✱ वे योगासन, प्राणायाम सी[illegible] तंदुरुस्त बनें ?

✱ उनका जीवन ओजस्वी-तेजस्वी बन[illegible]

✱ वे परीक्षा में अच्छे अंक लायें ?

✱ उनका सर्वांगीण विकास हो और वे जीवन के हर क्षेत्र में सफल बनें ?

✱ वे स्मरणशक्ति बढ़ाने के सरल व सचोट प्रयोग सीख के बुद्धिमान बनें ?

...तो आज ही अपने बच्चों को पूज्य बापूजी की प्रेरणा से चल रहे नजदीकी 'बाल संस्कार केन्द्र' में प्रवेश दिलाइये।

बाल संस्कार केन्द्र :
६ से १० वर्ष तक के बालक व बालिका

छात्र बाल संस्कार केन्द्र :
१० से १८ वर्ष तक के छात्र

कन्या बाल संस्कार केन्द्र :
१० से १७ वर्ष तक की कन्याएँ
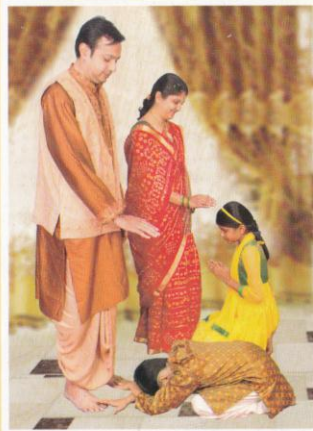
संस्कार-सिंचन

परीक्षा में सफलता कैसे पायें ?

जन्मदिवस कैसे मनायें ?

पुरुषार्थ एकाग्रता अनासक्ति ध्यान

"जिस विद्यार्थी के जीवन में ऐहिक (स्कूली) विद्या के साथ उपासना भी है, वह सुंदर सूझबूझवाला, सबसे प्रेमपूर्ण व्यवहार करनेवाला, तेजस्वी-ओजस्वी, साहसी और यशस्वी बन जाता है।"

– पूज्य बापूजी

SUCCESS
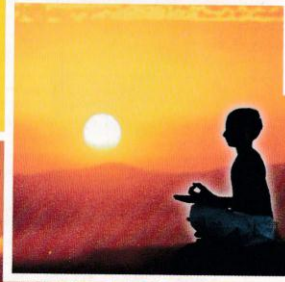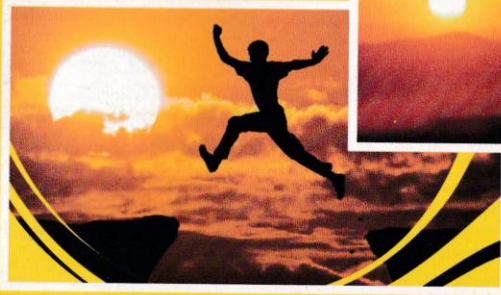
बाल संस्कार केन्द्र में पायें

सफलता के दमदार सूत्र

हम अपना भाग्य लिखेंगे अपने हाथों से

जप मौन ॐकार उपासना संयम

बापूजी के बच्चे : दुनिया को हिलानेवाले

प्रार्थना ईश्वर-भक्ति आदर्श दिनचर्या

और ईश्वर को पानेवाले
राष्ट्रभक्ति
पर्व महिमा
मातृ-पितृ व गुरुभक्ति
''ॐकार मंत्र का जप करनेवाले बच्चे बहुत मजबूत बनते हैं। सारस्वत्य मंत्र से बच्चे बुद्धिमान बनते हैं। इसलिए हमने 'बाल संस्कार केन्द्र' चालू किये। किसीको मंत्री बनाऊँगा, किसीको कलेक्टर बनाऊँगा, किसीको उद्योगपति बनाऊँगा, किसीको प्रधानमंत्री बनाऊँगा। देखो थोड़े वर्षों में क्या होता है!''
- पूज्य बापूजी
मैं बीमारों की सेवा करूँगा।
मेरे द्वारा होंगे नये-नये शिलान्यास।
मैं देश में शांति लाऊँगी।
मैं पक्षपातरहित न्याय करूँगी।
मैं बच्चों को शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार भी दूँगी।
५
प्राणायाम
स्वास्थ्य संजीवनी
शिष्टाचार
छुट्टियाँ कैसे मनायें ?
बोध-कथाएँ
बाल संस्कार केन्द्रों में लायें बच्चों को मजबूत बनायें
स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का निवास होता है।
A Healthy mind resides in a healthy body
अतः बाल संस्कार केन्द्रों में बच्चों की स्वास्थ्य-सुरक्षा का भी खास खयाल रखा जाता है।
मौसम के अनुसार कब, क्या खायें ?
शरीर हृष्ट-पुष्ट कैसे बने ?
रोगप्रतिरोधक क्षमता कैसे बढ़े ?
योगासन, प्राणायाम द्वारा बिना खर्च के बीमारियों को कैसे मार भगायें ?
बाजारू खाद्य पदार्थों से क्या नुकसान होते हैं ?
ये सभी बातें बाल संस्कार केन्द्र में बच्चों को विभिन्न रचनात्मक तरीकों से हँसते-खेलते सिखायी जाती हैं।
बाल संस्कार केन्द्र में भारतीय संस्कृति के महान संतों-महापुरुषों की जीवनगाथाओं एवं उपदेशों से होता है विद्यार्थियों का चरित्र-निर्माण
योगासन
आहार-विज्ञान
संयम
सदाचार
भारतीय संस्कृति
६
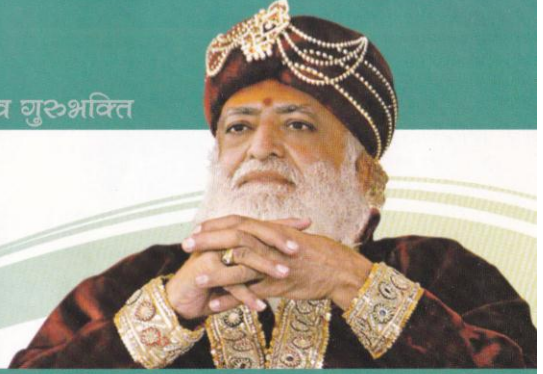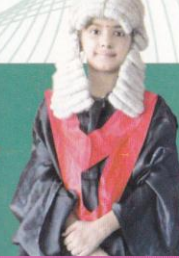
वृक्षारोपण व्यसनमुक्ति अभियान रचनात्मक स्पर्धाएँ

हमारे अनुभव

'बाल संस्कार केन्द्र' के विद्यार्थी ने 'कौन बनेगा करोड़पति' में जीते ₹ २५ लाख

''नियमित जप, ध्यान व प्राणायाम तथा बाल संस्कार केन्द्र में जाने से मेरी स्मरणशक्ति, निर्णयशक्ति तथा एकाग्रता में अभूतपूर्व परिवर्तन हुए ।'' - विनय शर्मा पठानकोट (पंजाब)

मैं पिछले २ साल से 'बाल संस्कार केन्द्र' में जा रही हूँ । मैंने वहाँ बहुत कुछ सीखा, प्रार्थना करना सीखा, श्लोक बोलना सीखा अच्छी हिन्दी भाषा एवं भारतीय संस्कृति का महत्त्व जाना । माता-पिता का आदर करना सीखा । मैं सारस्वत्य मंत्र के लिए बापूजी का धन्यवाद करती हूँ ।
- श्रेया, कैलिफोर्निया

बच्चों ने लगवायी गौ-हत्या पर रोक

पूज्य बापूजी के बाल, छात्र व कन्या मंडलों के विद्यार्थियों ने गौ-रक्षार्थ रैली निकाली, जिससे छत्तीसगढ़ प्रशासन ने कृषक पशुओं के रक्षण के लिए अधिनियम प्रस्तावित किया ।

मेरे अंदर बहुत सारी बुरी आदतें थीं, जिनका छूटना असम्भव था । मैंने 'बाल संस्कार केन्द्र' में जाना शुरू किया । जैसे-जैसे मैं केन्द्र में जाने लगा तो मेरी गंदी आदतें भी छूटने लगीं और असम्भव कार्य भी सम्भव होने लगे ।
- विशाल आहिरे (नासिक, महा.)

'बाल संस्कार केन्द्र' में बतायी जानेवाली आहार-विहार संबंधित जानकारी का मुझ पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ा । मैंने मांसाहार छोड़ दिया । इससे मेरी बुद्धिशक्ति में काफी विकास हुआ और परिणाम यह हुआ कि मैं अपनी कक्षा में प्रथम आने लगी । - वर्षा देवांगन तिल्दा, रायपुर (छ.ग.)

ज्ञानवर्धक खेल श्लोक गौ-महिमा

७

''आप अपने बच्चों को धन न दे सकें तो कोई बात नहीं, बड़े-बड़े बँगले, कोठियाँ, गाड़ियाँ, बैंक बैलेंस न दे सकें तो कोई बात नहीं परंतु अच्छे संस्कार जरूर दें । अगर आपने अपने बच्चों को अच्छे संस्कारों से सम्पन्न बना दिया तो समझो, आपने उन्हें बहुत बड़ी सम्पत्ति दे दी, बहुत बड़ी पूँजी का मालिक बना दिया । यह अच्छे संस्कारों की पूँजी आपके लाड़लों को जीवन के हर क्षेत्र में सफल बनायेगी, यहाँ तक कि लक्ष्मीपति भगवान से भी मिलने के योग्य बना देगी । बच्चों के मन में अच्छे संस्कार डालना यह हम सबका कर्तव्य है, इसमें हमें प्रमाद नहीं करना चाहिए, लापरवाही नहीं करनी चाहिए ।'' - पूज्य बापूजी

देश-विदेश में चल रहे १७,००० से अधिक बाल संस्कार केन्द्रों में जाकर लाखों बच्चे-बच्चियाँ अपने जीवन को संस्कारों से महका रहे हैं। आप भी अपने बच्चों को 'बाल संस्कार केन्द्र' का लाभ अवश्य दिलायें ।

₹ ४-००

महिला उत्थान ट्रस्ट

केन्द्र स्थल :
समय :
सम्पर्क :

मुख्यालय : बाल संस्कार विभाग, संत श्री आशारामजी आश्रम, अहमदाबाद-५
फोन : (०७९) ३९८७७७४९/५०/५१, २७५०५०१०/११
visit us: www.bsk.ashram.org
Email: bskamd@gmail.com
ashram.org
ashramindia

ॐॐॐॐॐॐॐॐॐॐॐॐॐॐॐॐ